तू ले ले रे जो भी लेना है गुरुदेव भजन लिरिक्स

तू ले ले रे जो भी लेना है,
दुनिया का खुला बाजार है ये,
हर चीज मिलेगी तुझको यहाँ,
दो दिन को खुला बाजार है ये,
तू लेले रे जो भी लेना है।bd।

तर्ज – छू लेने दो नाजुक होठो को।

क्या लेना है क्या न लेना,
ये सोच समझ लेना प्यारे,
जो काम की हो वो ही लेना,
सिर पर न बढ़ाना भार रे,
तू लेले रे जो भी लेना है।bd।

चुन चुन कर ही लेना ऐ बन्दे,
सामान जगत से तू अपना,
अनमोल यहाँ की चीजे सभी,
न समझो कि सब बैकार है ये,
तू लेले रे जो भी लेना है।bd।

जीवन की सुहानी घड़ियो को,
जग मे तू कहीं न खो देना,
तू नाम गुरू का भजले अगर,
हो जाऐगा भव से पार रे,
तू लेले रे जो भी लेना है।bd।

तू ले ले रे जो भी लेना है,
दुनिया का खुला बाजार है ये,
हर चीज मिलेगी तुझको यहाँ,
दो दिन को खुला बाजार है ये,
तू लेले रे जो भी लेना है।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मो.8818932925

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com